हरिभूमि
सीहोर भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, बुधवार 23 सितंबर 2026
सीहोर | भैरूंदा | रेहटी | इछावर | कोठरी | श्यामपुर | शाहगंज | कालापीपल | जावर

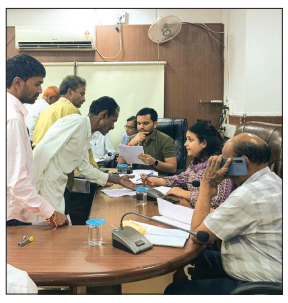
04 डोल ग्यारस पर सजे बाल कृष्ण के डोल, महिलाओं...



07 जिस अन्नदाता ने सबको खिलाया आज वही एक-एक निवाले को...



खबर संक्षेप



जनसुनवाई में आए 42 आवेदन

सीहोर। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ सर्जना यादव एवं अपर कलेक्टर बृजेश सक्सेना ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिलेभर से आए 42 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। जिला मुख्यालय के साथ ही जनपद कार्यालयों में भी जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में भूमि विवाद, नामांतरण, बंटवारा, आपसी विवाद, मेढ.-रास्ता विवाद, बीपीएल कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, गन लाइसेंस, वृद्धावस्था पेंशन, आर्थिक सहायता, मुआवजा से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

राजस्व मंत्री के अपने ही जिले सीहोर में योजना का नहीं हुआ श्री गणेश

पीएम मोदी के जन्मदिन से शुरू हुई स्वामित्व योजना में पांच दिन बाद भी रजिस्ट्री 'शून्य'

17 सितंबर से पटवारियों के कार्य बहिष्कार के कारण जिले सहित प्रदेश भर में अभियान ठप

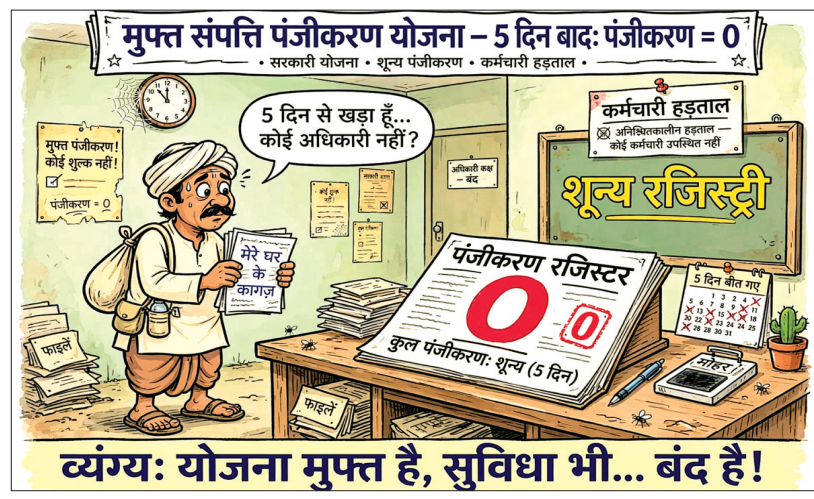
हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन यानी 17 सितंबर से जिले सहित पूरे प्रदेश में शुरू की गई महत्वाकांक्षी स्वामित्व योजना की मुफ्त रजिस्ट्री प्रक्रिया का आगाज पूरी तरह निराशाजनक रहा है। अभियान के 5 दिन बीत जाने के बाद भी मध्य प्रदेश सहित सीहोर जिले में रजिस्ट्री का आंकड़ा जीरो पर ही अटका हुआ है। शासन के बड़े-बड़े दावों के बीच जमीनी हकीकत यह है कि पटवारियों की जारी हड़ताल और कार्य बहिष्कार के कारण योजना का पूरा काम ठप पड़ा है।

चौंकाने वाली बात यह है कि प्रदेश के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा स्वयं सीहोर जिले की इछावर विधानसभा सीट से आते हैं। जिले में सीहोर, बुधनी, आष्टा और इछावर जैसी चार प्रमुख विधानसभाएं शामिल हैं, लेकिन मंत्री वर्मा के अपने ही गृह क्षेत्र में इस योजना के तहत अब तक एक भी रजिस्ट्री नहीं हो सकी है।

पटवारियों के बहिष्कार से फंसा पेच

राज्य सरकार ने 17 सितंबर से एक महीने का विशेष अभियान चलाकर प्रदेश भर के ग्रामीण आबादी क्षेत्र की लगभग 50 लाख निजी संपत्तियों का मुफ्त पंजीयन करने का लक्ष्य तय किया है। योजना के तहत लगने वाली स्टाम्प ड्यूटी और पंजीयन शुल्क का पूरा खर्च राज्य सरकार खुद उठा रही है। हालांकि 17 सितंबर से ही मध्य प्रदेश पटवारी संघ के हड़ताल एवं कार्य बहिष्कार पर चले जाने से अभियान की शुरुआत में ही ब्रेक लग गया है। पटवारी संघ ने 15 सितंबर को ही शासन को ज्ञापन सौंपकर स्पष्ट कर दिया था कि वे निष्पादक के रूप में इस काम से पूरी तरह अलग रहेंगे।



योजना का मुख्य उद्देश्य

स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीण आबादी क्षेत्र में बने मकानों और भूखंडों का कानूनी मालिकाना हक दिया जाना है। इससे ग्रामीणों को अपनी संपत्ति के आधार पर बैंकों से आसानी से लोन मिल सकेगा और आपसी जमीनी विवादों में कमी आएगी। हालांकि जब तक शासन और पटवारियों के बीच का यह गतिरोध दूर नहीं होता, तब तक ग्रामीणों को पक्की रजिस्ट्री का इंतजार करना पड़ेगा।

बहिष्कार जारी रहेगा

पटवारी संघ जिलाध्यक्ष संजय राठौर ने कहा कि पटवारी संघ अपनी प्रमुख मांगों को लेकर प्रदेश पटवारी संघ के नेतृत्व में हड़ताल पर है, जब तक पटवारी संघ की मांगें नहीं मानी जाती थी, तब स्वामित्व योजना की रजिस्ट्रियों का बहिष्कार जारी रहेगा।

अभी ई-केवाईसी का काम चल रहा

सीहोर एसडीएम तन्मय वर्मा ने कहा कि वर्तमान में भू-लेख पोर्टल पर लैंड लिंकिंग और आधार/समग्र ई-केवाईसी का कार्य चल रहा है। इसके पूरा होते ही संपदा ऐप के माध्यम से विलेख का पंजीयन शुरू कर दिया जाएगा।

क्यों अड़े हैं पटवारी, यह हैं मुख्य आपत्तियां

- पंजीयन विलेख में पटवारी का नाम और हस्ताक्षर निष्पादक के रूप में दर्ज किया जा रहा है। पटवारियों को आशंका है कि भविष्य में जमीन की सीमा, क्षेत्रफल या वारिसान को लेकर विवाद होने पर उन्हें व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी ठहराया जाएगा।
- पटवारियों का कहना है कि ग्रामीण आबादी का प्रबंधन ऐतिहासिक रूप से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधीन रहा है। इसलिए इसके निष्पादन का दायित्व भी पंचायत विभाग के कर्मचारियों का होना चाहिए।
- वेतन विसंगति, ग्रेड-पे और कैडर रिव्यू जैसी पुरानी मांगें लंबे समय से अधर में हैं। इसके अलावा फार्मर आईडी और जियो-टैग गिरदावरी जैसे अतिरिक्त तकनीकी कार्यों का दबाव भी पटवारियों पर डाला जा रहा है।

20 फीट के डोल पर सवार होकर निकले भगवान श्री नृसिंह, 10 घंटे से अधिक किया नगर भ्रमण

75 वर्षों से चली आ रही परंपरा में शामिल होने उमड़े भक्त, डोल के नीचे से निकलकर लिया आशीर्वाद

सीहोर। शहर के कोलीपुरा स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर में मंगलवार को डोल ग्यारस का पावन पर्व श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया। वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार भगवान श्री नृसिंह का भव्य डोल नगर भ्रमण के लिए निकाला गया। करीब 20 फीट ऊंचे भव्य डोल में भगवान श्री नृसिंह को विराजमान कर श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। डोल के नगर भ्रमण के दौरान डमरू टीम, बैंड-बाजे और लहंगी कलाकारों की प्रस्तुतियों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। सुबह मंदिर में भगवान का विशेष श्रृंगार किया गया। इसके बाद विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान श्री नृसिंह को डोल में विराजमान किया गया। दोपहर में कोलीपुरा स्थित मंदिर से डोल यात्रा प्रारंभ हुई। भगवान के नगर भ्रमण पर निकलते ही मार्ग में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने जगह-जगह भगवान के दर्शन कर पुष्प अर्पित किए और पूजा-अर्चना की।

देवनगर, बढ़ियाखेड़ी सहित प्रमुख मार्गों से निकला डोल : भगवान श्री नृसिंह का भव्य डोल कोलीपुरा से प्रारंभ होकर देवनगर कॉलोनी, बढ़ियाखेड़ी, नदी चौराहा, कोतवाली चौराहा सहित शहर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरा। डोल के साथ बैंड-बाजे, डमरू टीम और लहंगी कलाकार चल रहे थे। पारंपरिक प्रस्तुतियों और धार्मिक गीतों से पूरे मार्ग पर उत्सव जैसा वातावरण बना रहा। श्रद्धालु अपने घरों और मार्ग के आसपास खड़े होकर भगवान के दर्शन करते



रहे। डोल करीब 10 घंटे से अधिक समय तक नगर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण करता रहा। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन किए और पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

डोल के नीचे से निकलने की परंपरा में शामिल हुए श्रद्धालु : संत माधवदास महाराज और मंदिर समिति के अध्यक्ष दुर्गेश यादव ने बताया कि डोल ग्यारस के अवसर पर वर्षों से श्रद्धालुओं के डोल के नीचे से निकलने की परंपरा चली आ रही है। धार्मिक आस्था के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान श्री नृसिंह का आशीर्वाद प्राप्त करने की भावना से डोल के नीचे से निकलते हैं। इस दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और आस्था देखने को मिली। उन्होंने बताया कि श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर का डोल अपनी भव्यता और लंबे समय से चली आ रही धार्मिक परंपरा के कारण सीहोर शहर के साथ ही आसपास के क्षेत्रों में भी विशेष पहचान रखता है। डोल ग्यारस के आयोजन का श्रद्धालुओं को पूरे वर्ष इंतजार रहता है। भगवान के डोल में विराजमान होकर नगर भ्रमण पर निकलते ही बड़ी संख्या में भक्त दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

75 वर्षों से निरंतर चली आ रही धार्मिक परंपरा : श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर से डोल निकालने की परंपरा 75 वर्षों से अधिक समय से निरंतर चली आ रही है। पीढ़ियों से चली आ रही इस धार्मिक परंपरा के प्रति शहर और आसपास के क्षेत्र के श्रद्धालुओं में विशेष आस्था है। डोल ग्यारस के दिन भगवान श्री नृसिंह का विशेष श्रृंगार किया जाता है और विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद उन्हें डोल में विराजमान कर नगर भ्रमण कराया जाता है। इस दौरान रास्ते भर श्रद्धालु भगवान के दर्शन कर पुष्प अर्पित करते रहे। जगह-जगह लोगों ने पूजा-अर्चना की। डोल यात्रा के दौरान धार्मिक उत्साह और पारंपरिक प्रस्तुतियों ने पूरे शहर को भक्तिमय बना दिया। आयोजन के दौरान मंदिर समिति के सदस्यों और श्रद्धालुओं ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

नपा प्रशासन की बिजली कंपनी को खरी-खरी रात 10 बजे तक नहीं जलतीं स्ट्रीट लाइटें

बिजली कर्मचारियों की लापरवाही से शहर के लोग हो रहे परेशान, नपा प्रशासन ने लिखा पत्र

सीहोर। शहर में स्ट्रीट लाइटों के चालू और बंद होने को लेकर चल रही बिजली विभाग की मनमानी से अब नगर पालिका प्रशासन का सब्र का बांध टूट गया है। शहर में रात के समय अंधेरा छाए रहने और दिन के समय दिनदहाड़े लाइटें जलने से एक तरफ जहां आम नागरिक और जनप्रतिनिधि आक्रोशित हैं, वहीं दूसरी तरफ नगर पालिका को भी भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस समस्या से तंग आकर नगर पालिका परिषद के मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के महाप्रबंधक को एक पत्र लिखकर जिम्मेदार कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

नगर पालिका द्वारा भेजे गए आधिकारिक पत्र में साफ कहा गया है कि सीहोर शहर सीमा में स्थापित स्ट्रीट लाइटों के मेन स्विच चालू और बंद करने का काम बिजली कंपनी के अधिनस्थ सहायक यंत्री जोन क्रमांक 1 और जोन क्रमांक 2 के कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। लेकिन पिछले कुछ समय से बिजली कर्मचारियों की घोर लापरवाही देखने को मिल रही है। शाम ढलते ही जब सडक़ों पर रोशनी की जरूरत होती है, तब लाइटें चालू नहीं की जातीं। कई बार तो नगर पालिका के कर्मचारियों द्वारा बिजली विभाग के कर्मचारियों को बार-बार फोन करके याद दिलाना पड़ता है, तब जाकर कहीं रात 9 से 10 बजे के



बीच शहर की लाइटें चालू हो पाती हैं। इससे देर शाम सडक़ों पर निकलने वाले शहरवासियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है।

दिनभर जलती रहती हैं लाइटें, पालिका को लग रही चपत

बता दें मामला केवल रात में देरी से लाइट चालू होने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सुबह के समय भी यही लापरवाही दोहराई जा रही है। बिजली कर्मचारी सुबह समय पर मेन स्विच बंद करना भूल जाते हैं, जिसके कारण दोपहर तक स्ट्रीट लाइटें धड़ल्ले से जलती रहती हैं। इस तरह दिन में फालतू बिजली खपत होने से एक तरफ जहां ऊर्जा की बर्बादी हो रही है, वहीं इसका पूरा आर्थिक बोझ सीहोर नगर पालिका के खजाने पर पड़ रहा है। लगातार आ रहे भारी-भरकम बिजली बिलों के कारण पालिका को वित्तीय चपत लग रही है।

पूर्व में भी भेजा गया था पत्र, नहीं सुधरे हालात

नगर पालिका अधिकारी ने पत्र में संदर्भ देते हुए याद दिलाया कि इससे पहले भी मई महीने में पत्र क्रमांक 2158, 21 मई को भी बिजली कंपनी को इस संबंध में सूचित किया गया था। इसके बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं आया और शिकायतों का दौर लगातार जारी है।

लापरवाही करने वालों पर हो कार्रवाई

नगर पालिका सीएमओ ने महाप्रबंधक से स्पष्ट शब्दों में अनुरोध किया है कि जोन क्रमांक 1 और 2 के सहायक यंत्रियों एवं संबंधित मैदानी बिजली कर्मचारियों को सख्त निर्देश जारी किए जाएं ताकि निर्धारित समय पर ही लाइटें चालू व बंद हों। अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाए। भविष्य में इस तरह की अव्यवस्था न दोहराई जाए, इसके लिए कोई ठोस और स्थाई व्यवस्था (जैसे ऑटोमैटिक टाइमर या सख्त मॉनिटरिंग) सुनिश्चित की जाए।

श्रम कानूनों के उल्लंघन और महीनों से लंबित वेतन को लेकर खोला मोर्चा

आउटसोर्स कर्मचारियों के उत्पीड़न और अधिकारों के हनन पर भड़का आक्रोश, श्रम मंत्री को ज्ञापन सौंप उठाई आवाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

मध्यप्रदेश राज्य आउटसोर्स कर्मचारी संघ द्वारा प्रदेशव्यापी आह्वान के तहत मंगलवार, 22 सितंबर को सीहोर जिले में आउटसोर्स एवं ठेका प्रथा के अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं को लेकर एक प्रभावी ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर किरण वरवड़े को जिला कलेक्टर कार्यालय में दिया गया।

संघ के पदाधिकारियों ने जिला श्रम अधिकारी सीहोर के माध्यम से मध्यप्रदेश शासन के श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल को ज्ञापन प्रेषित कर श्रम कानूनों के अनुरूप न्यूनतम वेतन, भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, बोनस तथा मानदेय का समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने की जोरदार मांग उठाई है।

ज्ञापन में इस बात पर गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त किया गया है कि शासकीय विभागों, निगमों, मंडलों, शासकीय अस्पतालों एवं शैक्षणिक संस्थानों में सेवाएं दे रहे आउटसोर्स कर्मियों का जीवन अनिश्चितता और आर्थिक विषमताओं के भंवर में फंसा हुआ है। संघ ने स्पष्ट किया कि यह विषय केवल कर्मचारियों के हित-साधन तक सीमित नहीं है, अपितु यह श्रम विधानों के अनुपालन, श्रमिकों के वैधानिक अधिकारों तथा सामाजिक सुरक्षा की बुनियाद से जुड़ा अत्यंत गंभीर और



संवेदनशील मामला है।

वेतन की राह ताकते कर्मचारी, आर्थिक तंगी के भंवर में घिरे परिवार

ज्ञापनपत्र के माध्यम से जिले में कार्यरत आउटसोर्स कर्मियों की प्रमुख समस्याओं को रेखांकित करते हुए बताया गया कि विभिन्न शासकीय विभागों और कार्यालयों में तैनात कर्मचारियों को महीनों तक वेतन का भुगतान नहीं किया जाता। कई-कई माह तक वेतन लंबित रहने के कारण कर्मचारियों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है तथा उनके परिवारों को अत्यंत विकट आर्थिक कठिनाइयों और मानसिक संताप का सामना करना पड़ रहा है।संघ के जिला अध्यक्ष अरविन्द शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष आशीष सिंह सिसोदिया एवं प्रदेश महामंत्री प्रकाश पुंज चौधरी ,अरविंद शर्मा संवाद प्रभारी रत्नेश शेव, जागृति ठाकुर, प्रकाश मालवीय, भूपेंद्र वर्मा, अंतर मीणा, मोहन मेवाडा, शुभम, हरीश राठौर, सहित अन्य पदाधिकारियों का कहना है कि यदि कर्मचारियों को उनके पसीने का उचित और समयानुसार मूल्य प्राप्त नहीं होगा, तो वैधानिक व्यवस्था की सार्थकता पर प्रश्नचिह्न खड़ा होना स्वाभाविक है। संघ ने मांग की है कि आउटसोर्स व्यवस्था के नाम पर हो रहे इस शोषण को तत्काल रोका जाए तथा ठेकेदारों एजेंसियों को पाबंद कर श्रम नियमों के तहत न्यूनतम वेतन, ईपीएफ, ईएसआईसी और समय पर मानदेय का भुगतान कड़ाई से सुनिश्चित कराया जाए।

समस्त शासकीय एवं अशासकीय विभागों, अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों तथा निजी प्रतिष्ठानों में आउटसोर्स या ठेके कर्मियों की सुरक्षा के लिए श्रम विभाग ने विशेष निर्देश जारी किए हैं। सहायक श्रम आयुक्त ने सभी नियोजकों को निर्देशित किया है कि वे आउटसोर्स कर्मचारियों को श्रम कानूनों का लाभ प्रदान करें व निर्धारित समय पर वेतन का भुगतान करें। इसकी रिपोर्ट महीने की 7 तारीख तक कार्यालय में देनी होगी। साथ ही विभाग और आउटसोर्स ठेकेदार दोनों का पंजीयन अनिवार्य किया गया है। श्रम विभाग ने चेतावनी भी दी है कि निरीक्षण के दौरान यदि किसी भी संस्थान या ठेकेदार द्वारा नियमों का उल्लंघन पाया गया तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षकों के लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए प्रांतीय शिक्षक संघ ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन



सीहोर। शिक्षकों की लंबे समय से लंबित विभिन्न समस्याओं के निराकरण और शिक्षक हित में आवश्यक कदम उठाने की मांग को लेकर प्रांतीय शिक्षक संघ जिला सीहोर द्वारा कलेक्टर महोदय के नाम संयुक्त कलेक्टर रवींद्र परमार को एक ज्ञापन सौंपा गया। संघ ने चेतावनी दी है कि मांगों का समय पर निराकरण न होने से शिक्षकों में असंतोष एवं भ्रम की स्थिति निर्मित हो रही है।

ज्ञापन के माध्यम से संघ ने निम्नलिखित प्रमुख मांगों को शीघ्र पूरा करने की अपील की है राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के आदेश क्रमांक 3740 (दिनांक 24/06/2026) के तहत बी.ए.सी. एवं जनशिक्षकों की प्रतिनियुक्ति प्रक्रिया को नियमानुसार शीघ्र पूर्ण किया जाए। 2014 में नियुक्त प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षकों की 12 व 24 वर्ष की सेवा पूर्ण होने पर क्रमोन्नति आदेश जारी किए जाएं।

ज्ञापन सौंपने के दौरान कार्यकारी महासचिव सतीश त्यागी, जिलाध्यक्ष संजय सक्सेना, प्रांतीय मीडिया प्रभारी प्रदीप नागिया, बलराम पंवार,हेमंत मालवीय, बद्री प्रसाद वर्मा, जितेंद्र सेन,विनोद सेंगर, राजेश तिवारी,राजेश राठी, चंदर वर्मा,वंदना गहरवाल, दीपिका डसानिया ,सुबोध जायसवाल,ओमप्रकाश परमार, देवेश शर्मा, लक्ष्मण बैरागी,जगदीश सेन , राजेंद्र परमार,आशीष शर्मा,,जगदीश चंद्रवंशी, मुकेश बैरागी,रामेश्वर नागर, अबरार खान, जाहिद अफजाल,रघुनाथ सिंह मेवाडा, जे .पी. दुबे माखन बाकोदिया, रमेश चंद्र भारती ,संजय जाट,कल्याण सिंह ठाकुर, आशीष जोशी,जीवन सिंह परमार , नन्नू लाल दंगोलिया ,मानसिंह नागलिया ,डीसी कीर शिक्षक मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई

सीहोर। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में अवैध मदिरा के विनिर्माण, संग्रहण, क्रय-विक्रय एवं परिवहन के विरूद्ध आबकारी विभाग द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आबकारी विभाग की टीमों ने जिले के विभिन्न ग्रामों में कार्रवाई करते हुए अवैध मदिरा एवं महुआ लाहन जप्त किया है। जिला आबकारी अधिकारी दीपसिंह राठौर ने बताया कि वृत सीहोर के सहायक जिला आबकारी अधिकारी संगीता नायक के नेतृत्व में ग्राम नयापुरा में कार्रवाई कर 16 पाव देशी मदिरा जप्त की गई। इस मामले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के तहत एक प्रकरण कायम किया गया। इसी प्रकार ग्राम इछावर में कार्रवाई करते हुए 10 पाव देशी मदिरा जप्त कर एक अन्य प्रकरण दर्ज किया गया। अवैध मदिरा के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत वृत बुधनी के ग्राम समाखेड़ी एवं समनापुरा में भी कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान 15 लीटर हाथ भट्टी कच्ची मदिरा एवं 240 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त किया गया तथा दो प्रकरण कायम किए गए। इस प्रकार जिले में की गई कार्रवाई में कुल चार प्रकरण कायम कर 22 पाव देशी मदिरा, 15 लीटर हाथ भट्टी कच्ची मदिरा एवं 240 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त किया गया। जप्त सामग्री का अनुमानित बाजार मूल्य 28 हजार 760 रुपये है। सभी प्रकरणों को मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के तहत विवेचना में लिया गया है।

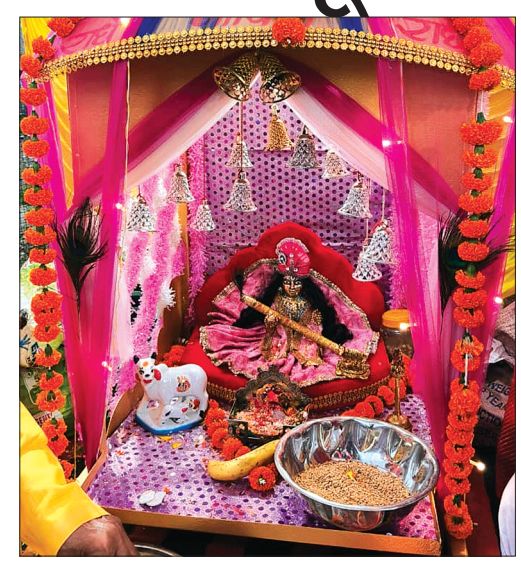
हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की... उद्घोष से गूंजा नगर, डोलों का चल समारोह निकाला

डोल ग्यारस पर सजे बाल कृष्ण के डोल, महिलाओं ने माता यशोदा की गोद भरकर किया जलवा-पूजन

प्राचीन परंपरा के साथ हुआ आयोजन, गांधी चौक में लगा मेला, महाआरती के बाद हुआ पर्व का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरुंदा





भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की परिवर्तिनी एकादशी यानी डोल ग्यारस का पर्व मंगलवार को नगर में वर्षों पुरानी धार्मिक परंपराओं के साथ मनाया गया। शाम होते-होते नगर का वातावरण भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। विभिन्न मंदिरों से भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप को आकर्षक रूप से सजाकर डोल में विराजमान किया गया और श्रद्धालु उन्हें नगर भ्रमण पर लेकर पहुंचे। इस दौरान हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की के उद्घोष से पूरा नगर भक्तिमय हो गया।

डोल ग्यारस के अवसर पर दोपहर बाद करीब 3 बजे से विभिन्न मंदिरों के डोल गांधी चौक छोटा बाजार पहुंचना शुरू हुए। नगर की परंपरा के अनुसार सभी डोलों को एक लंबे मंच पर एक साथ विराजमान कराया गया। करीब एक दर्जन से अधिक डोल यहां पहुंचे। इसके बाद विभिन्न स्थानों से आए डोलों का चल समारोह निकाला गया। श्रद्धालुओं ने रास्ते में पुष्पवर्षा कर भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा-अर्चना की।

महिलाओं के लिए बना आस्था का विशेष केंद्र

डोल ग्यारस आयोजन का सबसे प्रमुख आकर्षण माता यशोदा की गोद भराई और जलवा पूजन रहा। गांधी चौक छोटा बाजार में बनाए गए मंच पर डोल विराजमान होने के बाद बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंचीं। महिलाओं ने सुहाग सामग्री, अक्षत, चावल, नारियल, पुष्प और फल आदि से माता यशोदा की गोद भरकर विधि-विधान से जलवा पूजन किया। देर शाम तक यहां महिलाओं की भीड़ बनी रही। एक ओर महिलाएं माता यशोदा की गोद भरकर बाल कृष्ण के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करती नजर आईं, वहीं दूसरी ओर पुरुष श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण को झूला झुलाया। पूरे आयोजन स्थल पर भक्ति और उत्सव का माहौल बना रहा।

डोलों के एक साथ पहुंचने से बदला बाजार का नजारा, मेले का आयोजन भी हुआ

गांधी चौक छोटा बाजार में सभी डोलों के एकत्रित होने से बाजार का नजारा भी धार्मिक उत्सव में बदल गया। आयोजन स्थल के आसपास बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। डोल ग्यारस के अवसर पर यहां मेले का भी आयोजन हुआ, जिसमें लोगों ने खरीदारी की। बच्चों के लिए मनोरंजन और खिलौनों की दुकानों पर भी भीड़ दिखाई दी। परिवारों ने धार्मिक आयोजन के साथ मेले का आनंद लिया। सभी डोलों को एक मंच पर विराजमान करने के बाद शाम करीब 7:30 बजे सामूहिक महाआरती की गई। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की आरती कर सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद प्रसादी का वितरण किया गया। महाआरती के साथ डोल ग्यारस के मुख्य आयोजन का समापन हुआ।

व्यवस्था संभालने में जुटी पुलिस

आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाओं और श्रद्धालुओं की मौजूदगी को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के इंतजाम किए। मेला स्थल के आसपास वाहनों का प्रवेश पहले ही रोक दिया गया, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी न हो और आयोजन स्थल पर भीड़ के बीच किसी तरह की अव्यवस्था न हो। नगर परिषद एवं नवा पारायण समिति की ओर से भी आयोजन की व्यवस्थाएं की गईं।

इसलिए मनाया जाता है डोल ग्यारस

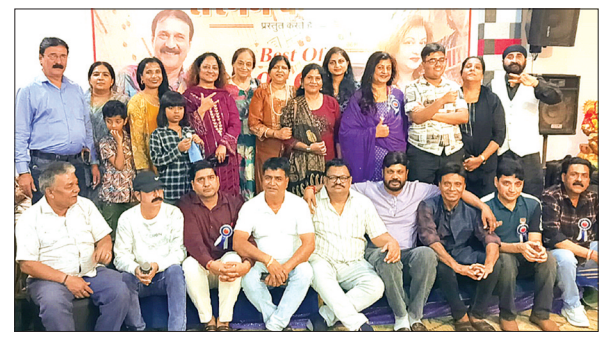
आचार्य मनोज तिवारी ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार डोल ग्यारस के दिन माता यशोदा ने बालकृष्ण का जलवा पूजन किया था। मान्यता है कि बालकृष्ण को नए वस्त्र पहनाकर सूर्य देव के दर्शन करवाए गए और इसी अवसर से उनके नामकरण संस्कार की परंपरा भी जुड़ी हुई है। इसी कारण डोल ग्यारस पर भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा की जाती है। अनेक स्थानों पर उनकी झांकी एवं शोभायात्रा निकालकर डोल में विराजमान कर नगर भ्रमण कराया जाता है। भैरूंदा में भी वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में अलग-अलग मंदिरों के डोलों का एक स्थान पर एकत्रित होना और महिलाओं द्वारा माता यशोदा की गोद भराई करना आयोजन की खास पहचान बन चुका है। इस वर्ष भी श्रद्धा, परंपरा और सामूहिक सहभागिता के साथ डोल ग्यारस का पर्व संपन्न हुआ।

आदिवासी महिलाओं ने की लोहा पठार से शराब दुकान हटाने की मांग



सीहोर। लोहापठार की महिलाएं बड़ी संख्या में मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचीं। महिलाओं ने नारेबाजी बाजी करते हुए डिप्टी कलेक्टर किरण वरबड़े को ज्ञापन दिया। प्रशासन से लोहा पठार में मौजूद शराब की दुकान को हटाने की मांग की। महिलाओं ने कहा कि रूप से शराब बेची जा रही है। कई बार शिकायत के बाद भी दुकान को बंद नहीं किया जा रहा है। मेहनत मजदूरी का पैसा पति शराब में उड़ा रहे हैं और नशे में घर में मारपीट करते हैं। जवान बच्चे भी नशे के आदि हो रहे हैं। महिलाओं ने बताया कि ग्राम में कच्ची शराब भी अधिक बनाई जा रही है। ग्राम के छोटे छोटे बच्चे भी दारू पीते हैं जिससे ग्राम में आये दिन घटनाऐं घटती रहती है रोज सड़क पर एक्सीडेंट भी हो रहे हैं। जवान बच्चों का जीवन शराब के कारण खराब हो रहा है। शराब के नशे में लोग घर परिवार में लड़ाई झगडे करते रहते है। नजदीक स्थित गांव सारस एवं मगरपाठ एवं झालपीपली में भी कच्ची शराब बेची जा रही है। जिससे बच्चों का भविष्य खराब हो रहा है। कलेक्ट्रेट पहुंची बबिता बाई, मंजू बाई, शिलाबाई. प्रमिला, जया बाई,. शिप्राबाई, सुगनबाई, भगवती. देवली बाई ने परिवार एवं बच्चों के भविष्य को देखते हुऐ लोहा पठार गांव में शराब बेचने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाने और शराब बेचने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

80-90 के दशक के सदाबहार गीतों से सजी शाम, सुरों ने बांधा समां



सीहोर। 'सरगम के साथियों' द्वारा आयोजित 80 एवं 90 के दशक के सदाबहार फिल्मी गीतों की संगीतमय प्रस्तुति ने श्रोताओं को पुराने दौर की सुनहरी यादों में पहुंचा दिया। कार्यक्रम में कलाकारों ने किशोर कुमार,लता मंगेशकर, आशा भोंसले, कुमार शानू, उदित नारायण सहित गायकों के एक से बढ़कर एक लोकप्रिय गाने प्रस्तुत कर संगीत प्रेमियों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में 'किसी नजर को तेरा इंतजार', 'ये दौलत भी ले लो शोहरत भी ले लो', 'छूकर मेरे मन को', 'जानम देख लो मिट गई दूरियां', 'दिल तो पागल है', 'मेरा चांद मुझे आया है नजर', 'मेरे प्यार को उमर हो इतनी सनम', 'हमें तुमसे प्यार कितना', 'झुकी-झुकी सी नजर', 'याद आ रहा है तेरा प्यार', 'पग घुंघरू बांध मीरा नाची थी', 'एक दो तीन चार पांच', 'जीवन के दिन', 'मंजिलें अपनी जगह हैं', 'सो गया ये जहां', 'प्यार तो होना ही था', 'फूलों सा चेहरा तेरा', 'आंख है भरी-भरी', 'अक्सर इस दुनिया में', 'अब तेरे बिन जी लेंगे हम', 'सोचेंगे तुम्हें प्यार करें कि नहीं', 'दो दिल मिल रहे हैं', 'दीदी तेरा देवर दीवाना', 'जिंदगी प्यार का गीत है', 'सोनी-सोनी मेरी तमन्ना', 'दर्द-ए-दिल दर्द-ए-जिगर', 'मेरे संग आया तेरी यादों का मेला', 'तूने ओ रंगीले कैसा जादू किया' सहित अनेक लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति दी गई। राजेश काशिव और सीमा जोशी ने अपनी प्रस्तुति से श्रोताओं की खूब तालियां बटोरीं।कार्यक्रम में डॉ. श्रेष्ठा सक्सेना ने भी अपनी मधुर आवाज में गीत प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत राजेश काशिव, सीमा जोशी एवं प्रदीप नागिया ने किया। कार्यक्रम का आकर्षक और सफल संचालन प्रदीप नागिया ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी रामनारायण ताम्रकार , प्रेमलता राठौर , रीटा दुबे सहित बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान 80 एवं 90 के दशक के गीतों की मधुर धुनों पर श्रोता भाव-विभोर नजर आए और कलाकारों की प्रस्तुतियों पर तालियों से उत्साहवर्धन किया।

अकाबल्या आंगनबाड़ी में पोषण माह के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक



भैरूंदा। महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार ग्राम अकाबल्या के आंगनबाड़ी केंद्र पर मंगलवार को राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों से कुपोषण जैसी गंभीर समस्या को जड़ से समाप्त करना है। इसके साथ ही ग्रामीण महिलाओं व छोटे बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य और संतुलित आहार के महत्व के प्रति जागरूक करना है। आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र की बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस दौरान उपस्थित गर्भवती माताओं, धात्री (स्तनपान कराने वाली) माताओं और छोटी बालिकाओं के साथ पौष्टिक आहार तथा बेहतर शारीरिक पोषण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

आरती राजपूत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने महिलाओं को स्वास्थ्य और पोषण के अंतर्संबंधों के बारे में विस्तार से समझाया। गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं का स्वास्थ्य सीधे तौर पर उनके बच्चे के सुनहरे भविष्य और विकास से जुड़ा होता है। महिलाओं को सलाह दी गई कि वे महंगे खाद्य पदार्थों के बजाय अपने दैनिक आहार में स्थानीय स्तर पर आसानी से उपलब्ध पौष्टिक चीजों को शामिल करें। इनमें मुख्य रूप से मौसमी हरी सब्जियां, दालें, दूध, दलिया और अन्य पारंपरिक पोषण युक्त खाद्य पदार्थों को अनिवार्य रूप से खाने की बात कही गई। इसके साथ ही, कार्यक्रम में मौजूद किशोर बालिकाओं को एनीमिया (खून की कमी) के खतरों से आगाह किया गया। उन्हें इससे बचाव के लिए खान-पान की अच्छी आदतें अपनाने और मासिक धर्म के दौरान व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति विशेष रूप से सतर्क व जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। ग्रामीण स्तर पर जागरूकता फैलाने वाले इस अभियान को सफल बनाने में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आरती राजपूत, सहायिका मंजुला पंवार और स्थानीय सहयोगिनी ने अत्यंत सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर मातृ समिति की सम्मानित सदस्य एवं ग्राम की कई अन्य जागरूक महिलाएँ उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित महिलाओं ने इस राष्ट्रीय पोषण अभियान को जमीनी स्तर पर पूरी तरह सफल बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

71 हजार के नोटों की माला से सजे गणपति महाआरती में उमड़ा आस्था का सैलाब

बड़ा बाजार में पिपलेश्वर महादेव मंदिर समिति और इलेवन टाइगर क्लब का आयोजन, 56 भोग लगाया, सैकड़ों श्रद्धालुओं ने की आरती



श्रद्धालु यहां पहुंचकर भगवान गणेश के दर्शन कर रहे हैं।

सीहोर। बड़ा बाजार स्थित पिपलेश्वर महादेव मंदिर परिसर के पास सोमवार को पिपलेश्वर महादेव मंदिर समिति एवं इलेवन टाइगर क्लब के तत्वावधान में भगवान गणेश की भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। महाआरती में सैकड़ों श्रद्धालुओं के साथ शहर के जनप्रतिनिधि, वरिष्ठजन, समिति एवं क्लब के पदाधिकारी शामिल हुए। गणपति के जयकारों से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा।

आयोजन का विशेष आकर्षण भगवान श्रीगणेश को पहनाई गई 71 हजार रुपए के नोटों की माला रही। नोटों से सजी गणेश प्रतिमा श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनी रही। इस अवसर पर भगवान को 56 भोग अर्पित किए गए और महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। समिति एवं क्लब के कमलेश पारिक और मनोज जैन ने बताया कि यहां पिछले 44 वर्षों से गणेश प्रतिमा की स्थापना की जा रही है। समिति और क्लब द्वारा प्रतिवर्ष गणेशोत्सव के दौरान विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन किए जाते हैं।

इसी क्रम में मंगलवार को डोल ग्यारस के अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया। गणेशोत्सव के दौरान प्रतिदिन बड़ी संख्या में

कलेक्ट्रेट जनसुनवाई में पहुंचे नागरिक नाले पर नया पुल बनाने की मांग की

नाले पर बने पुल के टूटने से क्षेत्र के 6 हजार नागरिक हो रहे रोज परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई में पहुंचकर क्षेत्र के सक्रिय समाजसेवी शिक्षक नायब खान के साथ नागरिकों ने दीवान बाग और जमशेद नगर के बीच बहाने वाले नाले पर आवागमन के लिए नया पुल बनाने की मांग की है।

नागरिको ने अपर कलेक्टर बृजेश कुमार सक्सेना को बताया कि नाले पर बना पुल टूटने से क्षेत्र के 6 हजार नागरिक हैरान परेशान है। यह पुल दीवानबाग और जमशेद नगर को जोड़ता है। पुल नगर पालिका अंतर्गत आने वाले वार्ड नंबर 31 कस्बा क्षेत्र में आता है। क्षेत्र के कांग्रेस नेता नायब सर ने इस जनहितेशी मुद्दे को उठाया है। नागरिकों का कहना है कि यह पुल एक बार नहीं दो बार टूट गया है। टूटे पुल की मरम्मत करने के लिए नगर पालिका के कर्मचारी पहुंचे थे लेकिन घटिया स्तर की सामग्री से निर्माण के कारण पुल फिर गिर गया है। कांग्रेस नेता नायब खान सर ने बताया कि स्थानीय जनप्रतिनिधि जनता की समस्या के निराकरण के प्रति लापरवाही पूर्ण रवैया अपनाए हुए हैं । जिसका खामियाजा जमशेद नगर, फिरदौस नगर, दीवान बाग सहित अन्य मोहल्ले के लगभग 6 हजार नागरिक को भुगतना पड़ रहा है। कांग्रेस नेता नायब खान सर ने बताया कि नागरिकों को तहसील चौराहा, भोपाली फाटक, कस्बा सराय, दूल्हा बादशाह कॉलोनी, शकर फैक्ट्री चौराहा सहित जिला अस्पताल गल्ला मंडी बस स्टैंड जाने के लिए एक से डेढ़ किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ रहा है। मजदूर और व्यापारी कर्मचारी वर्ग को काम धंधे और दुकान पर जाने में देरी हो रही है। जमशेद नगर और दीवान बाग में सरकारी और निजी स्कूल भी संचालित होते हैं कल टूटने के चलते स्कूल आने-जाने में छात्र-छात्राओं को भी दिक्कत हो रही है।

जमशेद नगर और फिरदौस नगर को यहां छोटा पुल जोड़ता था आवागमन काफी आसान होता था लेकिन बीते दिनों से यह पुल एक तरफ से टूट गया है काफी जर्जर भी हो गया है जिससे यह पूरा पुल कभी भी नाले के पानी में समा सकता है।

न्यायालय तहसीलदार तहसील इछावर जिला सीहोर
प्रकरण क्रमांक 0004/अ-20(3)/26-27
इछावर दिनांक 16/09/2026
:: इश्तेहार::
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि कार्या.प्राथ. कृषि साख सह.संस्था मर्यादित ग्राम आमलारामजीपुरा द्वारा ग्राम आमलारामजीपुरा स्थित भूमि सर्वे नं. 105/1/1 रकबा 2.00 एकड़ भूमि की संस्था आमलारामजीपुरा के सोसायटी भवन के निर्माण हेतु भूमि की मांगी की गई है। जिसके संबंध में प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त भूमि के आबंटन के संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की कोई आपत्ति/आक्षेप हो तो वह प्रकरण दिनांक 01.10.2026 तक स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। उपर वर्णित स्थान अथवा निश्चित दिनांक तक आपत्ति एवं आवेदन पत्र पेश नहीं करने की दशा में किसी भी आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा
आज दिनांक 16.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
तहसीलदार इछावर

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा का किया अनावरण

महाराणा प्रताप के आदर्श और सिद्धांत अनुकरणीय : मंत्री करण सिंह वर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ इछावर



पिछले दिनों नगर में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की मूर्ति अनावरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा उपस्थित रहे। थाना परिसर के समीप महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा का अतिथियों द्वारा अनावरण किया।

कार्यक्रम क्षत्रिय करणी सेना की समस्त टीम एवं करणी सेना के पदाधिकारियों के सौजन्य में आयोजित किया गया था। साथ ही नगर सहित संपूर्ण क्षेत्र के समस्त हिंदू समाज के लोगों ने कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाकर सामाजिक एकता, भाईचारे और उत्साह की एक मिसाल पेश की। आयोजन में विशेष रूप से क्षत्रिय करणी सेना जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह राजपूत, कार्यक्रम अध्यक्ष एवं संयोजक कृपाल सिंह सरपंच, कार्यक्रम संयोजक दीपक सिंह ठाकुर तथा समस्त टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा ने कहा कि महाराणा प्रताप का संपूर्ण जीवन प्रेरणादायक है। उन्होंने देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। कार्यक्रम में करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र सिंह राणा, प्रदेश अध्यक्ष इंदल सिंह राणा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के संरक्षक बाबा साहब देवनखेड़ी सरकार, बाबा साहब बापचा धाम, प्रमोद राजपूत, शिव प्रताप सिंह चौहान (प्रदेश अध्यक्ष), मनजीत सिंह, कीर्तिराज सिंह मेटवाल, मोना, राजेश पटेल, रानी राजपूत, अजय सिंह राठौड़ एवं युवा मोर्चा सीहोर जिला अध्यक्ष महेंद्र ठाकुर आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

डूब क्षेत्र के किसान जिंदगी दांव पर लगाने को मजबूर

जिस अन्नदाता ने सबको खिलाया आज वही एक-एक निवाले को हुआ मोहताज

अधिकारों की लड़ाईः सुठालिया बांध के डूब प्रभावितों का फूटा आक्रोश, 8वें दिन भी 9 किसान आमरण अनशन पर डटे



ब्यावरा/सुठालिया। जिस देश में किसान को अन्नदाता कहकर सम्मान दिया जाता है, उसी देश में अगर वही अन्नदाता अपने बुनियादी हक, पुश्तैनी जमीन और पुनर्वास की खातिर अन्न-जल त्यागने पर विवश हो जाए, तो यह समूची प्रशासनिक व्यवस्था की संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। सुठालिया वृहद सिंचाई परियोजना के डूब क्षेत्र में आ रहे राजगढ़ और गुना जिले के 65 गांवों के किसानों का धैर्य अब जवाब दे चुका है। वाजिब मुआवजे और पारदर्शी पुनर्वास की मांग को लेकर कड़ाके की धूप में पिछले 8 दिनों से 9 किसान लगातार आमरण अनशन पर डटे हैं, लेकिन शासन-प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस व लिखित पहल सामने नहीं आई है।

दोहरी नीति से उपजा गहरा असंतोष

आंदोलन की मुख्य वजह सरकार की नीतिगत विसंगति है। परियोजना के तहत लगभग दो वर्ष पूर्व किसानों की जमीनों का और कुछ माह पूर्व मकानों व परिसंपत्तियों का मूल्यांकन कर रजिस्ट्री दरों के आधार पर मात्र दोगुना मुआवजा वितरित किया गया था। विस्थापित इस राशि को लेकर पहले से ही असंतुष्ट थे, लेकिन हाल ही में मुख्यमंत्री द्वारा की गई नई घोषणा ने असंतोष को भड़का दिया। मुख्यमंत्री ने ऐलान किया है कि आगामी समय में सड़क, रेलवे, तालाब या बांध परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित जमीनों का मुआवजा रजिस्ट्री दर के आधार पर चार गुना दिया जाएगा। इस घोषणा के बाद सुठालिया के 65 गांवों में आक्रोश फैल गया। किसानों का कहना है कि जब उनकी उपजाऊ जमीनें और पैतृक मकान उसी तरह जलमग्न हो रहे हैं, तो उनके साथ यह भेदभाव क्यों? उनकी मांग है कि सुठालिया परियोजना के सभी प्रभावितों को भी संशोधित दर यानी 4 गुना मुआवजा दिया जाए।

8 दिनों से अनशन पर ये 9 किसान, गिर रहा स्वास्थ्य

धरना स्थल पर समाजसेवी आरटीआई एक्टिविस्ट जयपाल सिंह खींची, नरबे सिंह लोधी, माखन लोधी, अर्जुन सिंह गुर्जर, बालकिशन गुर्जर, हेमेंद्र सिंह बना, लखन सिंह पटेल एवं प्रेम सिंह बना सहित 9 किसान पिछले 8 दिनों से बिना अन्न-जल के आमरण अनशन पर हैं। लगातार भूख हड़ताल के चलते अनशनकारियों का बीपी और शुगर लेवल तेजी से गिर रहा है। स्वास्थ्य विभाग की बुनियादी जांचों के अलावा उनकी सुरक्षा को लेकर कोई पुख्ता कदम नहीं दिख रहा है।

अफसरों की मौखिक समझाइश बेअसर, लिखित आदेश पर अड़े किसान

आंदोलन के आठवें दिन दबाव बढ़ता देख एसडीएम और एडीएम धरना स्थल पर पहुंचे और किसानों से चर्चा कर समस्याओं के समाधान का मौखिक आश्वासन दिया। हालांकि, किसान केवल आश्वासनों पर अनशन समाप्त करने को तैयार नहीं हैं। किसानों ने दो-टूक कहा है कि जब तक शासन स्तर से 4 गुना मुआवजे की अनुशंसा, विसंगतिपूर्ण सर्वे के पुनरीक्षण और लंबित भुगतानों को लेकर कोई ठोस लिखित आदेश या समय-सीमा निर्धारित नहीं होती, सत्याग्रह जारी रहेगा। यदि समय रहते निर्णय नहीं हुआ, तो यह आंदोलन दोनों जिलों की सड़कों पर उतरेगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

सर्वे में गंभीर धांधली, कई गांव चारों तरफ से घिरे, फिर भी डूब सूची से बाहर

- कांकरिया गुर्जर और सेमलापार की उपेक्षारू ग्राम कांकरिया गुर्जर में कुल 171 मकानों में से मात्र 69 मकानों को डूब में लिया गया, जबकि शेष मकानों के चारों तरफ पानी भरने के बावजूद उन्हें छोड़ दिया गया। इसी प्रकार सेमलापार राजपूत खेड़ा में केवल 01 मकान को ही डूब क्षेत्र में दर्ज किया गया है।
- मकानों का मुआवजा काटा गयारू ग्राम टोडी, निवारा एवं गुर्जरखेड़ी में मूल्यांकन के बाद कई मकानों की मुआवजा राशि में कटौती कर दी गई। वहीं टोडी के 24 और गुर्जरखेड़ी के 3 मकान पूर्णतः जलमग्न होने की श्रेणी में होने के बावजूद उचित मुआवजे से वंचित हैं।
- परिसंपत्तियों की अनदेखीरू कुएं, ट्यूबवेल, फलदार पेड़ और सिंचाई पाइपलाइनों का सर्वे होने के बावजूद भुगतान लंबे समय से अटका हुआ है।
- कटऑफ डेट की विसंगति, प्रशासन 1 जनवरी 2021 की कटऑफ डेट मानकर परिवार आईडी और वयस्क सदस्यों का निर्धारण कर रहा है। किसानों का तर्क है कि जब वास्तविक विस्थापन अभी तक हुआ ही नहीं है, तो परिवार आईडी और पुनर्वास लाभों की गणना वास्तविक विस्थापन की तारीख से हो। साथ ही 90 से 100 प्रतिशत डूब में आए परिवारों को संपूर्ण विस्थापन लाभ मिले और पुनर्वास स्थलों का नाम मूल गांवों के नाम पर रखा जाए।

इनका कहना है...

यह लड़ाई निजी स्वार्थ की नहीं, व्यवस्था के दोहरे रवैये के खिलाफ है। मेरी एक बीघा जमीन भी डूब में नहीं है, लेकिन 65 गांवों के किसानों पर हो रहे अन्याय को देखकर चुप नहीं बैठ सका। आज 8 वें दिन भी भूख हड़ताल पर डटा हूं और न्याय मिलने तक पीछे नहीं हटूंगा।

जयपाल सिंह खींची
समाजसेवी, ग्राम टोडी

जन-आंदोलन बना सत्याग्रहः राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और व्यापारियों का खुला

किसानों का यह सत्याग्रह अब व्यापक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। धरना स्थल पर पहुंचकर जिला पंचायत अध्यक्ष चंदर सिंह सोंधिया, चाचैड़ा की पूर्व विधायक ममता मीणा, पूर्व एसपी रणधीर सिंह मीणा, कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रियव्रत सिंह खींची, राघौगढ़ के पूर्व विधायक लक्ष्मण सिंह, पूर्व विधायक रामचंद्र दांगी और राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के प्रदेश प्रवक्ता चंद्रपाल सिंह ने किसानों की 4 गुना मुआवजे की मांग का खुला समर्थन किया है। आगामी दिनों में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह एवं करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष जीवन सिंह शेरपुर के भी धरना स्थल पर पहुंचने की संभावना है। वहीं आंदोलन को गति देते हुए आज सुठालिया नगर के समस्त व्यापारी वर्ग और कोचिंग संचालकों ने अपने-अपने प्रतिष्ठान व संस्थान पूरी तरह बंद रखकर किसानों के समर्थन में खड़े होने का निर्णय लिया है।

बमूलिया से लापता युवती का शव सरपंच के कुएं में मिला

लखनवास। थाना मलावर क्षेत्र के ग्राम बमूलिया से पिछले दो दिनों से लापता युवती का शव रविवार को गांव के सरपंच के कुएं में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार निशा वर्मा पिता श्यामलाल वर्मा, 18 वर्ष 7 माह, निवासी ग्राम बमूलिया 18 सितंबर को घर से बिना बताए कहीं चली गई थी। परिजनों द्वारा काफी तलाश करने के बाद भी पता नहीं चलने पर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। परिजनों की रिपोर्ट पर थाना मलावर में अपराध क्रमांक 251/26 धारा 140(3) के तहत प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया। इसी दौरान रविवार सुबह ग्रामीणों ने गांव के सरपंच भारत सिंह सोंधिया के कुएं में एक शव तैरता हुआ देखा। सूचना पर थाना मलावर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकलवाया गया। शव की शिनाख्त लापता युवती निशा वर्मा के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार युवती मानसिक रूप से विक्षिप्त थी और पूर्व में भी बिना बताए घर से चली गई थी। पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की बारीकी से जांच कर रही है।

बच्चों के चित्रों से गूंजेगा मानवता से सद्भाव का संदेश

मंदसौर में लायंस इंटरनेशनल का पीस पोस्टर कार्यक्रम रविवार को

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंदसौर

लायंस क्लब्स इंटरनेशनल के अंतर्राष्ट्रीय पीस पोस्टर कार्यक्रम के तहत मंदसौर के नूतन हाई स्कूल में रविवार, 27 सितंबर को एक वृहद शांति पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित होने जा रही है। लायंस क्लब मंदसौर, लायंस क्लब मंदसौर गोल्ड एवं लायंस क्लब मंदसौर डायनामिक के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में नगर व आसपास के क्षेत्रों के विभिन्न विद्यालयों से 11 से 13 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 150 से 200 चयनित विद्यार्थी भाग लेंगे। ये नन्हे कलाकार अपनी कल्पनाशीलता कलात्मक प्रतिभा के बल पर कैनवास के जरिए समाज में शांति और सद्भावना का रंग भरेंगे।

कार्यक्रम संयोजक लायन पुष्पा चेलावत, लायन डॉ. के.सी. श्रीमाल, मनोज मित्तल एवं सुमित्रा चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष की प्रतियोगिता का मुख्य विषय ह्यमानवता से सद्भावह्व रखा गया है। इस आयोजन का मूल उद्देश्य बच्चों के माध्यम से समाज में शांति, भाईचारे, मानवीय मूल्यों और आपसी सद्भाव का सकारात्मक संदेश प्रसारित करना है। आयोजकों ने बताया कि मंदसौर में इतने बड़े पैमाने पर पीस पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन पहली बार किया जा रहा है।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने के लिए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में क्रमशः 3 हजार, 2 हजार तथा 1 हजार रू. की राशि दी जाएगी, साथ ही 10 सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। इस आयोजन की सबसे खास बात यह है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चयनित सर्वश्रेष्ठ पोस्टर को लायंस क्लब्स इंटरनेशनल द्वारा लगभग 5 लाख रू. तक के भव्य पुरस्कार से सम्मानित करने का प्रावधान है, जिससे स्थानीय विद्यार्थियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय मंच तक पहुंचने की एक बेहतरीन राह खुल गई है।

आयोजन की सफलता के लिए प्रोजेक्ट चेयरमैन गौरव रत्नावत एडवोकेट, सुरेश सोमानी एवं सीमा जैन ने सैनिक स्कूल, सरस्वती स्कूल, केंद्रीय विद्यालय, जैन स्कूल, मंदसौर इंटरनेशनल स्कूल, डीवीएम स्कूल, नूतन स्कूल, महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्कूल, दलौदा पब्लिक स्कूल, सीतामऊ पब्लिक स्कूल, एवं कन्या विद्यालय सहित क्षेत्र के सभी प्रमुख विद्यालयों के विद्यार्थियों और शिक्षकों से शामिल होने की अपील की है।

शिक्षा और समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए रजनी व्यास सम्मानित



सारंगपुर। मध्यप्रदेश प्रांतीय सभा, प्रांतीय महिला सभा, प्रांतीय युवक संघ तथा जिला सभा, जिला महिला सभा एवं जिला युवक संघ मंदसौर के संयुक्त तत्वावधान में मध्यप्रदेश शिक्षक गौरव सम्मान समारोह एवं मध्यप्रदेश प्रांतीय महिला सभा का अधिवेशन 20 सितंबर को श्री हाटकेश्वर मांगलिक भवन, मंदसौर में आयोजित किया गया। समारोह में सारंगपुर की रजनी सुशील व्यास को शिक्षा एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान तथा समाजसेवा के प्रति उनकी सक्रिय भूमिका को देखते हुए उन्हें सम्मान प्रदान किया गया। उनके सम्मानित होने पर सारंगपुर एवं जिले के गणमान्य नागरिकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी।

स्वच्छता अभियान एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित किया



हरिभूमि न्यूज ⏭ मंदसौर

शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डॉ. सुधीर रायज़ादा ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के प्रथम दिवस स्वच्छता अभियान एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 20 छात्राओं ने सहभागिता की। इस अवसर पर छात्राओं ने स्वच्छता एवं सामाजिक दायित्व के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए स्वच्छता की शपथ ली। छात्राओं ने महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता गतिविधियों एवं श्रमदान में सहभागिता की तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में डॉ. उषा वर्मा एवं डॉ. सपना डे ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम का आयोजन रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नौरीन कुरैशी के मार्गदर्शन में किया गया।

मिलावटी मावा बेचने वाले मालिक को 3 माह की सजा और 2 लाख रुपए का जुर्माना

मंदसौर। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट महोदय, मंदसौर अतुल बिल्लौरे द्वारा आरोपी बाबूलाल पिता छगनलाल विजयवर्गीय निवासी मल्हारगढ़, जिला मंदसौर (म.प्र.) को मिलावटी मावा विक्रय करने के अपराध में दोषी पाते हुए 3 माह सश्रम कारावास एवं 2 लाख रूपये जुर्माने से दण्डित किया । अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी बलराम सोलंकी द्वारा घटना के संबंध में बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश जमरा दिनांक 08.10.2011 को दिपावली त्यौहार को देखते हुए निरीक्षण हेतु गांधी चौक मल्हारगढ़ पहुंचे, जहां विजयवर्गीय मिष्ठान भंडार पर पहुंचकर वहां व्यवसायरत व्यक्ति को अपने नाम और पद का परिचय देकर उनसे जानकारी ली, जिसमें उसने अपना नाम बाबूलाल पिता छगनलाल विजयवर्गीय होना बता कर स्वयं को दुकान का मालिक बताते हुए वर्ष 2011-12 का लायसेंस दिखाकर मिठाई, नमकीन व मावा का विक्रय करना बताया, दुकान के निरीक्षण के दौरान एक कंटेनर में लगभग 5 किलोग्राम मावा रखा हुआ पाया, जिसमें मिलावट की शंका होने पर उक्त मावे का नमूना जांच हेतु खाद्य कारोबार कर्ता आरोपी से 1 किलोग्राम मावा 120 रूपये प्रति किलों की दर से खरीद कर चार बराबर भागों में बांटकर प्रत्येक भाग को प्लास्टिक की फूडग्रेड साफ सूखी थैली में भरकर प्रत्येक भाग में लगभग 20-20 बूंद फार्मेलिन की डालकर पुनः समरस कर थैली के मुंह को बंदकर सील किया गया। नमूने को जांच हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया।

नि:शुल्क नेत्र शिविर में 200 मरीजों की जांच 50 मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित



सारंगपुर। लायंस क्लब द्वारा स्थानीय सिविल हॉस्पिटल में निःशुल्क नेत्र जांच एवं चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर आंखों की जांच कराई। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा करीब 200 मरीजों की नेत्र जांच की गई। जांच के दौरान 50 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। चयनित मरीजों को ऑपरेशन एवं आवश्यक उपचार के लिए सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट, आनंदपुर भेजा गया। मरीजों को बस के माध्यम से आनंदपुर रवाना किया गया, जहां उनका आवश्यक उपचार और मोतियाबिंद ऑपरेशन किया जाएगा। शिविर में मरीजों और उनके साथ आए परिजनों के लिए लायंस क्लब की ओर से भोजन के पैकेट भी वितरित किए गए। क्लब सदस्यों ने मरीजों के पंजीयन, जांच तथा आनंदपुर भेजने की व्यवस्था में सहयोग किया। लायंस क्लब पदाधिकारियों ने बताया कि क्लब का उद्देश्य जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। इसी उद्देश्य से भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा कार्य निरंतर किए जाएंगे। शिविर में लायंस क्लब अध्यक्ष विनय मकोडिया, सचिव प्रदीप चौहान,पीयूष राठी, महेश शर्मा, एमजेएफ राजेन्द्र पालीवाल, मोहम्मद मंसूरी, प्रदीप जोशी,अतुल जोशी, नितिन परिहार आदित्य शर्मा सहित क्लब के सदस्य उपस्थित रहे। शिविर से लाभान्वित मरीजों एवं उनके परिजनों ने लायंस क्लब के इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया।



रक्तदान शिविर में युवाओं के साथ प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारियों ने भी बढ़-चढ़कर लिया भाग

नरसिंहगढ़। सेवा संकल्प अभियान के तहत सोमवार को सिविल अस्पताल परिसर में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में युवाओं के साथ प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए रक्तदान किया। शिविर के दौरान रक्तदाताओं में उत्साह देखने को मिला। रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक करने और अधिक से अधिक युवाओं को अभियान से जोड़ने के उद्देश्य से अस्पताल परिसर में सेल्फी पॉइंट भी बनाया गया था। रक्तदाताओं एवं अभियान में शामिल लोगों ने सेल्फी पॉइंट पर सेल्फी लेकर रक्तदान के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। शिविर में 22 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस अवसर पर एसडीएम अजय सिंह पटेल, मंडल अध्यक्ष देवेंद्र सिंह, डॉ. गौरव त्रिपाठी, रमेश मालवीय, राजू जड़िया, वीरेंद्र सिंह, राजकुमार वर्मा, नितेश अग्रवाल, कपिल वैध सहित बड़ी संख्या में युवा एवं नागरिक उपस्थित रहे।

जिला पंचायत सदस्य दीपकसिंह चौहान ने की गणनायक की आराधना

मन्दसौर। निरंतर द्वितीय वर्ष ग्राम अफजलपुर में सर्वसमाज द्वारा कौमी एकता की थीम पर गणेश उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। रविवार को जिला पंचायत सदस्य दीपकसिंह चौहान ने गणेशजी की आरती की। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश भाटी, जनपद सदस्य मुकेश बामनिया, सरपंच नंदकिशोर पाटीदार, एडवोकेट नीतिन मुंजी, धुंधड़का ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शुभम राठौर आदि ने गणेशजी की आराधना कर क्षेत्र के सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर सर्वसमाज गणेश उत्सव समिति के पंकज भण्डारी, पंकज शर्मा, रमेश, राजेश जैन, असलम मंसूरी, मनीष शर्मा आदि द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया।

आराधना भवन में आचार्य हिरसूरिश्वरजी म.सा. की पुण्यतिथि मनाई गई

मंदसौर। मंगलवार को नईआबादी स्थित आराधना भवन में प.पू. मुनिश्री विरलविजयजी म.सा. की पावन प्रेरणा व निश्रा में तपागच्छीय आचार्य श्री हिरसूरिश्वरजी म.सा. की पुण्यतिथि मनायी गयी। भारत के सम्राट बादशाह अकबर को धर्म व अहिंसा का प्रतिबोध देने वाले आचार्य श्री हिरसूरिश्वरजी म.सा. के जीवन पर व्याख्यान देते हुये मुनि श्री विरलविजयजी ने कहा कि उनका जन्म पालनपुर में विक्रम संवत 1583 में हुआ था। कोहिनूर हिरे की भांति चमकने वाली काया वाले बालक का नाम उनकी माता नाथीबाई ने हिरा रखा। जन्म से ही उनकी माता व बाद में उनकी बड़ी बहन ने उन्हें धर्म के संस्कार दिये। माता पिता के देवलोकगमन के बाद वे अल्पआयु में ही बड़ी बहन विमला के साथ पाटन चले गये। वहां प.पू. श्री दानसूरीजी म.सा. के प्रभाव व प्रेरणा से उनके मन में वैराग्य भाव आया और उन्होने मात्र 13 वर्ष की आयु में विक्रम संवत 1596 में दीक्षा ली। उनका नाम हिरहर्ष मुनि रखा गया। उन्होंने दो गुरुभाई (मुनियों) के सानिध्य में प्राकृत, संस्कृत सहित कई भाषाओं का ज्ञान प्राप्त किया। 1697 (विक्रम संवत) को उन्हें पन्यास पदवी मिली तथा मात्र 3 वर्ष के बाद उन्हें विक्रम संवत 1607 में राजस्थान के सिरोही नगर में उन्हें मात्र 27 वर्ष की आयु में आचार्य पदवी मिली तथा कुछ वर्षों के बाद वे तपागच्छ के गच्छाधिपति बने। उन्होंने बादशाह अकबर जो कि हिंसा की प्रवृत्ति में लिन हिन्दुस्तान का सम्राट था उसे प्रतिबोध देकर अहिंसक बना दिया। उनके प्रभाव से अकबर ने पर्युषण पर्व में जीव हिंसा (बुचड खाने) पर प्रतिबंध आदेश जारी किया तथा जैन धर्म के प्रभाव को स्वीकार करते हुये जीवन में अहिंसा को भी अपनाया।

नीति व न्यायपूर्वक जीवन जियो मुनिश्री प्रत्यरक्षरत्न विजयजी

मंदसौर। मानव जीवन हमें कैसे जीना चाहिए यह हमें धर्म बिन्दू ग्रंथ प.पू. हरिभद्रसूरिजी म.सा. ने बताया है राग व द्वेष के कारण पृथ्वी पर हमारा बार-बार जन्ममरण हो रहा है यदि जन्म मरण के बन्धन से मुक्त होना है तो राग द्वेष से मुक्त होना होगा। अभी हमें जैन धर्म मिला है हम इस जन्म में देव, गुरु धर्म की प्रभावना करते हुये नीति व न्याय पूर्वक जीवन निर्वहन करेंगे तो इस भव में भी कल्याण होगा और अगले भव में भी। उक्त उद्गार प.पू. जैन संत मुनिराज श्री प्रत्यक्षरत्नविजयजी म.सा. ने जीवागंज स्थित राजेन्द्र विलास में आयोजित धर्मसभा में कहे। अपने मंगलवार को यहां धर्मसभा (व्याख्यान) में कहा कि मनुष्य को धन कमाने में ही नहीं बल्कि धर्म में भी पुरुषार्थ करना चाहिए। धर्मबिन्दु ग्रंथ हमें शरीर की नहीं आत्मा की चिन्ता करने की प्रेरणा देता है। जीवन में हम अनीति अधर्म से धन कमाते कमाते कभी धर्म की भी चिन्ता करते हैं कि नहीं जरा विचार करें। मानव की इच्छाये अनंत है इच्छाओं की पूर्ति हो यह आवश्यक नहीं है। मनुष्य की जरुरते तो पूरी हो जाती है लेकिन उसकी जो अनंत इच्छाये हैं वे कभी पूरी नहीं होती है मानव अपनी जरुरतों पर ध्यान दे, इच्छाओं से बाहर आने का प्रयास करे। हम जीवन भर सुख की कामना के पीछे दौड़ते हैं जिस प्रकार रेगिस्तान में प्यासा व्यक्ति पानी की तलाश में घूमता है तो उसे रेत भी पानी की तरह लगती है लेकिन वह रेत उसकी प्यास नहीं बुझा पाती है मृग (हिरण) भी कस्तूरी की तलाश में पूरे वन में घूमता है लेकिन उसे नहीं मालूम कि कस्तुरी उसके शरीर में ही है। हम भी सुख को बाहर ढूंढने की बजाय अपनी आत्म साधना में जीये। धर्मसभा में प.पू. पवित्ररत्नविजयजी म.सा. ने भी अपने विचार रखे।

उत्कृष्ट विद्यालय मंदसौर में पालक शिक्षक संघ की बैठक आयोजित



हरिभूमि न्यूज ⏭ मंदसौर

उत्कृष्ट विद्यालय मंदसौर में पालक-शिक्षक संघ की बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य विद्यालय एवं अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं सर्वांगीण विकास पर चर्चा करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शाला प्रबंध समिति के अध्यक्ष राजेश शर्मा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य कैलाश चंद सोलंकी ने की। बैठक में परीक्षा प्रभारी एवं पालक-शिक्षक संघ प्रभारी विजय जोशी, वरिष्ठ शिक्षक बाबूलाल जोशी हरीश परिहार अनिल जैन एवं अमजद वारसी सहित शिक्षकगण एवं पालक उपस्थित रहे। बैठक में विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, नियमित उपस्थिति, अनुशासन एवं आगामी परीक्षाओं की तैयारियों सहित विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। शिक्षकों द्वारा पालकों को विद्यार्थियों की पढ़ाई पर नियमित ध्यान देने तथा घर एवं विद्यालय के बीच निरंतर समन्वय बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। मुख्य अतिथि राजेश शर्मा ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए विद्यालय एवं पालकों के संयुक्त प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। प्राचार्य कैलाश चंद सोलंकी ने विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों एवं विद्यार्थियों के हित में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। विद्यालय की सत्र 2026-27 की छात्र परिषद का बैच लगाकर सम्मान किया गया । बैठक के दौरान पालकों ने भी विद्यार्थियों से संबंधित सुझाव एवं विचार साझा किए। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने पालकों के सुझावों पर सकारात्मक रूप से कार्य करने का आश्वासन दिया। बैठक का उद्देश्य विद्यार्थियों के बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन के साथ-साथ उनके अनुशासन, व्यक्तित्व विकास एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए विद्यालय और अभिभावकों के बीच मजबूत सहभागिता सुनिश्चित करना रहा।

जिले के सुवासरा में 24 सितंबर को आयोजित होगा शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंदसौर

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत जिले की सुवासरा तहसील में 24 सितंबर को शिविर आयोजित होगा। कलेक्टर श्री दिव्यांक सिंह ने सभी अधिकारियों को शिविर की तैयारी के निर्देश जारी किए हैं। इस दौरान अभियान के अंतर्गत जन समस्याओं शिकायतों का निराकरण किया जाएगा संबंधित जनप्रतिनिधीगण अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत सुवासरा के अलावा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में 24 सितंबर को अधिकारियों द्वारा भ्रमण करके लोक संपर्क किया जाएगा। आमजन की शिकायत और समस्याओं का यथासंभव त्वरित निराकरण किया जाएगा। जिन शिकायतो समस्याओं के निराकरण में समय सीमा देनी होगी तो निश्चित समय सीमा दीजाएगी।

24 सितंबर को अधिकारियों द्वारा संपूर्ण सुवासरा क्षेत्र के वार्डो का भ्रमण किया जाएगा। इसके अलावा जिन ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण किया जाएगा उनमें ग्राम बोलिया, रहीमगढ़, खेताखेड़ा, शक्करखेड़ी, विशनिया, एवं सुवासरा नगर परिषद का कोई एक वार्ड, नाहरगढ़, कचनारा, खजूरमाण्डा, खजूरीचंद्रावत, रणायरा, प्रतापपुरा, झलारा, कोटड़ाबहादूर, बेटीखेड़ी, पायाखेड़ी, रामगढ़, बर्डियागुर्जर, गाडरिया, अरिनयागौड़, बाजखेड़ी, मोतीपुरा, खजूरीगौड़, जमुनिया, कोटड़ामाता, सेदराकरनाली, काचरिया, बोरखेड़ी जागीर, कोटपिपलिया, शक्करखेड़ीजागीर, धलपट एवं सम्पूर्ण सुवासरा नगरीय क्षेत्र शामिल है।

खबर संक्षेप

सुरभि ने पूर्ण की उपवास की कठिन तपस्या



आष्टा। दिगंबर जैन समाज के दसलक्षण महापर्व के दौरान नगर में त्याग, तपस्या और आत्मसाधना का क्रम निरंतर जारी है। पर्यूषण महापर्व के पावन अवसर पर श्रद्धालु अपनी सामर्थ्य के अनुसार उपवास, एकासना सहित विभिन्न तप साधनाएं कर धर्म आराधना में जुटे हुए हैं। इसी क्रम में सुरभि विपुल सेठी ने निर्जला पांच उपवास की कठिन तपस्या पूर्ण कर धर्म एवं संयम के प्रति अपनी आस्था का परिचय दिया। वहीं महिला जागृति मंच की राष्ट्रीय पूर्व संयुक्त सचिव प्रीति जितेंद्र जैन ने भी तीन उपवास की तपस्या पूर्ण की। सुरभि सेठी की पांच निर्जला उपवास की तपस्या पूर्ण होने के उपलक्ष्य में श्री चंद्रप्रभु मंदिर नजरगंज आष्टा में विनती का कार्यक्रम आयोजित किया गया। तपस्या के दौरान उन्होंने बिना अन्न-जल ग्रहण किए आत्मसंयम और साधना का मार्ग अपनाया। तपस्या पूर्ण होने पर सोमवार को पारणा का कार्यक्रम हुआ, जिसमें समाजजनों एवं परिवारजनों ने उनका अभिनंदन करते हुए मंगलकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर तपस्वी सुरभि सेठी के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा गया कि तप केवल शरीर को कष्ट देने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मबल, संयम और इच्छाओं पर नियंत्रण का मार्ग है।

प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए पार्वती नदी तट बन रहा विसर्जन कुंड

37 लाख की लागत से हो रहे निर्माण कार्य का नपाध्यक्ष प्रतिनिधि ने किया निरीक्षण

श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विसर्जन कुंड का आकार बढ़ाया, बड़ी प्रतिमाओं का भी सुगमता से विसर्जन हो सकेगा।

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा



नगर में इन दिनों 10 दिवसीय गणेशोत्सव की जबरदस्त धूम है। हर ओर भक्ति और उल्लास का माहौल है। आगामी अनंत चतुर्दशी पर श्री गणेश प्रतिमाओं के ससम्मान एवं सुरक्षित विसर्जन को लेकर नगरपालिका ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने सकल समाज के वरिष्ठजनों और प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में पार्वती नदी तट पर नवनिर्मित विसर्जन कुंड का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्री मेवाड़ा ने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया तथा मौके पर मौजूद नगरपालिका के तकनीकी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण किए जाएं और गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता न हो।

37.21 लाख से संवरेगा विसर्जन कुंड

पार्वती नदी तट पर बनाए जा रहे इस आधुनिक एवं व्यवस्थित विसर्जन कुंड का निर्माण लगभग 37 लाख 21 हजार रुपये की लागत से किया जा रहा है। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विसर्जन कुंड का आकार, कुंड की लंबाई 21 मीटर, चौड़ाई 17 मीटर तथा गहराई 6.50 मीटर रखी गई है, जिससे बड़ी प्रतिमाओं का भी सुगमता से विसर्जन हो सकेगा।

सड़क व पाथवे का भी होगा निर्माण

विसर्जन स्थल तक आसानी से पहुंचने के लिए 120 मीटर लंबे व्यवस्थित सीसी रोड का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही कुंड के चारों ओर श्रद्धालुओं के पैदल चलने के लिए सुंदर पाथवे भी बनाया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने कहा कि गणेशोत्सव हमारे नगर की आस्था, एकता और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। अनंत चतुर्दशी पर हमारे श्रद्धालुओं और गणेश समितियों को विसर्जन के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए नगरपालिका पूरी निष्ठा से प्रयासरत है। पार्वती नदी के पर्यावरण और जल की स्वच्छता को सुरक्षित रखते हुए इस विसर्जन कुंड का निर्माण कराया जा रहा है। लगभग 37 लाख से अधिक की लागत से बनने वाला यह कुंड न केवल विसर्जन की प्रक्रिया को सुगम और सुरक्षित बनाएगा, बल्कि नदी के संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाएगा। हमारी प्राथमिकता है कि नगरवासी पूरे सम्मान, विधि-विधान और उल्लास के साथ भगवान श्री गणेश को विदाई दे सकें। निरीक्षण के दौरान नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा के साथ हिउस अध्यक्ष नारायण भूरू मुकाती, पार्षद प्रतिनिधि सुभाष नामदेव, पूर्व पार्षद रवि शर्मा, शीतला माता मंदिर समिति अध्यक्ष दिनेश सोनी, सत्यनारायण कामरिया, राहुल वाल्मिकी, जितेन्द्र बुदासा आदि मौजूद थे।

सांदीपनि विद्यालय में उमंग दिवस का आयोजन



हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

नगर के सांदीपनि शासकीय उमावि आष्टा में मंगलवार को उमंग दिवस का उत्साह पूर्वक आयोजन किया गया। प्राचार्य सितवत खान ने बताया कि विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने, नकारात्मकता के भाव को कम करने और विद्यार्थियों के जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तनों को उत्साह पूर्वक मनाना इसका उद्देश्य है। इस अवसर पर तीन हजार से अधिक विद्यार्थियों ने अडिग सकारात्मकता की शपथ भी ली। इस वर्ष की उमंग थीम ''चुनौतियों से लड़ कर, सकारात्मकता से गढ़ेंगें भविष्य'' है। उमंग प्रभारी गौरीशंकर मालवीय ने कहा कि किशोरावस्था की चुनौतियां बहुआयामी है अतः उमंग कार्यक्रम की त्रिवेणी, उमंग मानसिक कल्याण, उज्जवल जेंडर संवेदनशीलता, सशक्त आत्मरक्षा को समाज के सभी अंगो से जोड़ना आवश्यक है। कार्यक्रम में काउंसलर नवीन मौर्य ने कहा कि किशोरावस्था जीवन का वह संक्रमणकाल है, जहां तीव्र शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक परिवर्तन आते है। उमंग दिवस इन चुनौतियों को दूर कर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए मार्ग प्रशंस्त करता है। रैपिड फायर क्विज़ और खेल गतिविधि काना फूसी भी की गई। विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरूस्कार देकर सम्मानित किया गया। पुरूस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थी संजना प्रजापति, पलक ठाकुर, राजेश्वरी मेवाड़ा, योगिता मेवाड़ा, आराधना झाला, रानू बागवान, लक्ष्मी जलवाया, मुस्कान मेवाड़ा, निकिता मालवीय, दृष्टि, रानी अटेरिया है। उमंग दिवस के आयोजन में गौरीशंकर मालवीय, नवीन मौर्य, सम्राट ढोके, सतीश वर्मा, पदमा परमार, अभिलाषा श्रीवादी, भूपेन्द्र सिंह, वीरेन्द्र सिंह, स्नेहलता पाल, दीपिका दास, प्रेम सिंह सिलोरिया, स्वाति राठौर, राजेश राठौर आदि का विशेष सहयोग रहा।

बस स्टैंड पर चलाया स्वच्छता जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा



स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत नगर पालिका परिषद आष्टा द्वारा बस स्टैंड परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। यह अभियान नगर पालिका अध्यक्ष हेम कुंवर रायसिंह मेवाड़ा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी विनोद कुमार प्रजापति के मार्गदर्शन एवं निगरानी में संचालित किया जा रहा है।अभियान के दौरान बस स्टैंड परिसर में व्यापक साफ-सफाई की गई। इस दौरान यात्रियों, स्टैंड कंडक्टर, बस कंडक्टर एवं अन्य स्टाफ ने उत्साहपूर्वक श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। अभियान के समापन पर सभी उपस्थित लोगों ने बस स्टैंड परिसर को सदैव स्वच्छ एवं साफ-सुथरा बनाए रखने का संकल्प लिया तथा नागरिकों से भी सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखने की अपील की।कार्यक्रम में मुख्य रूप से सहयोगी संस्था के प्रतिनिधि राजकुमार अकेला एवं कामेश घेंघट , सोभाल सिंह मालवीय के साथ स्टैंड स्टाफ एवं यात्रीगण उपस्थित रहे।

देवबडला में मिला अद्भुत स्वरूप, मां गोरी की गोद में विराजित हैं विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ जावर



देव बड़ला स्मारक इंचार्ज कुंवर विजेंद्र सिंह भाटी ने बताया पुर्व में खुदाई के दौरान मंदिर क्रमांक आठ से एक दुर्लभ प्रतिमा प्राप्त हुई है। मंदिर क्रमांक आठ 12वीं शताब्दी का प्रतीत होता है। यह मंदिर गोरी सोमनाथ का है।

शिवलिंग के पश्चिम की दीवार के सहारे रखी हुई मां गौरी की प्रतिमा प्राप्त हुई हैं। यह प्रतिमा बहुत ही अलौकिक और दुर्लभ है। पुरातन अधिकारी डॉ रमेश यादव के अनुसार ऐसी प्रतिमा कम ही देखने को मिलती है। यहां प्रतिमा चारभुजा धारी है, इस प्रतिमा के दाहिने हाथ में एक शिवलिंग विराजमान है। यह शिवलिंग पांच लिंग वाला है। तथा दूसरे हाथ खंडित अवस्था में है और बाहिने हाथ में गणेश जी विराजमान है। तथा दूसरे हाथ में माला है।

पैरों के दोनों साइड में गणिकाओ को दर्शाया गया है। इसके साथ ही इस मंदिर में खंडित अवस्था में शिवलिंग भी मिला है। इस मंदिर का 15वीं 16वीं शताब्दी में जीर्णोद्धार भी हुआ है। क्योंकि इसके सभा मंडप में चूने की परत लगी हुई है और चूने का काम 14वीं शताब्दी के बाद ही आरंभ हुआ था, ऐसा विशेषज्ञों का मानना है।

हिंदी महोत्सव में साहित्यकारों ने किया काव्यपाठ

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



जन परिषद सीहोर एवं म.प्र.साहित्य साधना मंच सीहोर के संयुक्त तत्वावधान में 'सीहोर हिंदी महोत्सव का आयोजन प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, भोपाल नाका, सीहोर में सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित किया गया। जिलाध्यक्ष डॉ अनीस खान के कुशल नेतृत्व में सर्व प्रथम हिंदी महोत्सव के मुख्य वक्ता डॉ रोहिताश्व कुमार शर्मा के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का आगाज किया। कार्यक्रम प्रभारी डॉ कमलेश शर्मा कमल एवं संस्थापक सुरेश जायसवाल, संरक्षक डॉ के के नेमा निर्झर ने बताया कि महोत्सव के मुख्य अतिथि सीहोर के लोकप्रिय विधायक सुदेश राय और अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष अशोक व्यग्र और स्मारिका का विमोचन मुख्य संरक्षक अखिलेश राय के कर कमलों से हुआ। साथ ही गीत, ग़ज़ल सहित काव्य पाठ की भव्य प्रस्तुति हुई। देश के 15 राज्यों से जुड़े साहित्यकार अपनी रचनाओं का पाठ किया। आयोजन का उद्देश्य हिंदी भाषा एवं साहित्य का प्रचार-प्रसार तथा साहित्यकारों को एक कार्यक्रम साझा मंच उपलब्ध कराना है। दो सत्रों में सम्पन्न इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में महाकवि प्रकाश पटैरिया छतरपुर,पी जी कालेज के प्राचार्य डॉ रोहिताश्व कुमार शर्मा, निर्दलीय प्रकाशन के संपादक प्रिंश अभिषेक अज्ञानी, डॉ अनिल शर्मा मंयक, डॉ राजेश राय सेनि संयुक्त आयुक्त, सुदामा दुबे, परमानंद सिन्हा हैदराबाद, राष्ट्रीय अध्यक्ष वृन्दावन राय सरल, अरविन्द चौरागढे, गिरजा शंकर राय झांसी, ईश्वर दयाल गोस्वामी, डॉ छाया चौकसे, साहित्य साधना मंच के प्रदेशाध्यक्ष अध्यक्ष अशोक व्यग्र, राष्ट्रीय कलचुरि कवि परिषद भारत की प्रदेशाध्यक्ष राजकुमारी चौकसे प्रेरणा, डॉ गगन नामदेव, डॉ पूनम नामदेव, जमना प्रसाद बेताब आदि रहें। सर्व प्रथम श्री गणेश वंदना डॉ के के नेमा निर्झर, सरस्वती वंदना गीतकार सुरेश श्रीवास्तव मंच संचालन डॉ रमेश श्रीवास्तव, डॉ विजेंद्र जायसवाल, डॉ साक्षी जैन संयुक्त रूप से किया। विधायक सुदेश राय ने कहा कि हिंदी हमारे देश की आन, बान और शान है हमें गर्व है कि हिंदूस्तान अधिक तर हिंदी में काम होता है। हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने में सभी साहित्यकार अपने स्तर से प्रयास कर रहे हैं जो कि अभिनंदन योग है। श्री अखिलेश राय ने चिंगारी हौसलों की का विमोचन कर अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधान संपादक सुरेश जायसवाल सीहोर में कई साहित्यिक आयोजन के जनक है। सम्पादक मण्डल के अध्यक्ष इस के प्रकाशन के समस्त संपादक मंडल के सदस्यों सहित बधाई के पात्र हैं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पत्रकार र रऊफ लाला प्रदेश सचिव जन परिषद ने संगठन की उपलब्धि पर प्रकाश डाला।

भगवान गणेश की भक्ति में रमे नगर के श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा



आस्था,श्रद्धा, भक्ति के रूप में अपनी एक अलग ही पहचान रखने वाला आस्था का नगर आष्टा इन दिनों गणेशोत्सव पर्व की धूम ओर धर्म के रंग में रंगा हुआ है। सभी मंडलो में प्रतिदिन धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन, हवन आदि के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अब इसी क्रम में नगर के अलग-अलग गणेश मंडलों में भगवान श्री गणेश जी की महाआरती का सिलसिला भी शुरू हो गया है। महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर भगवान गणेश की आराधना कर रहे हैं। आष्टा विधायक प्रतिदिन रात्रि में अपनी पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओ के साथ दुपहिया वाहनों के काफिले के साथ गणेश मंडलो द्वारा आयोजित महा आरती में शामिल होने पहुच रहे है एवं मंडलो को यथा शक्ति सहयोग राशि भी भेंट कर अपनी श्रद्धा भक्ति को समर्पित कर रहे है । बाबा रामदेवजी की दशमी पर आष्टा विधायक ग्राम अतरालीया जावर, बगड़ावदा, बफापुर ढाकनी, अलीपुर, सांई कालोनी, गल चौराहा पहुचे ओर बाबाराम देव जी के मंदिर में दर्शन कर कार्यक्रमो में शामिल हुए। रात्रि में विधायक बुधवारा, काछीपूरा, राठौर मन्दिर चौराहा, गल चौराहा, कॉलोनी चौराहा, अटल कॉलोनी, खत्री चौक, सांई कॉलोनी खंडेलवाल चौराहा सहित विभिन्न क्षेत्रों में गणेशोत्सव समितियों द्वारा आयोजित महा आरती में शामिल हुए और रिद्धि सिध्दि के दाता भगवान श्री गणेश जी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। विधायक सहित सभी कार्यकर्ताओं का विभिन्न गणेश मंडलों में पहुंचने पर मंडल के सदस्यों ने विधायक श्री गोपालसिंह इंजीनियर,सुशील संचेती, जितेन्द्र सोनी दादा दयालु जयश्री,विशाल चौरसिया,भुरू मुकाती, धनरूपमल जैन, मोहित सोनी, पंकज राठी, सौरभ जैन,सुमित मेहता, गौरीशंकर राठौर, उत्थान धारवा, राजेश मेवाडा, विनय आर्य, रतन टेलर, शुभांस सोनी, बंटी जायसवाल, कृष्णा शर्मा, प्रदीप राठौर, कल्लु मुकाती,लखन पाटीदार, मनोहर बैरागी, प्रशांत जैन सहित सभी कार्यकर्ताओ का आत्मीय स्वागत किया।

कलयुग में राम से बड़ा राम का नाम- कथावाचक गणेशानंद महाराज

माता सीता के वरदान से रामभक्त हनुमान बने अष्टसिद्धि नवनिधि के दाता

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



वर्तमान समय में कलयुग चल रहा है इस कलयुग में राम से बड़ा राम का नाम है उक्त विचार नयापुरा ग्रामवासियों द्वारा आयोजित भगवान शिवशक्ति नंदन प्रथम पूज्य श्रीगणेश जन्मोत्सव कार्यक्रम के दौरान श्रीहनुमंत कथा के अवसर पर कथावाचक गणेशानंद महाराज ने व्यक्त किए। कथा स्थल पर समाजसेवी ठाकुर भगत सिंह तोमर पंडित सुनील शर्मा डॉ. रघुवीर सिंह दांगी ने व्यास पीठ की पूजा कर शाल श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कथावाचक पंडित गणेशानंद महाराज ने सोमवार को श्रीहनुमंत कथा का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि रामेश्वरम में जब भगवान श्रीराम की सेना लंका पर आक्रमण के लिए समुद्र तट पर पहुँची, तब अपार जल को पार करना सबसे बड़ी चुनौती थी। भगवान राम के निर्देश पर नल और नील के नेतृत्व में वानर सेना ने रामसेतु बनाना शुरू किया। नल और नील को ऋषि का शाप वरदान बन गया था कि उनके द्वारा जल में फेंका गया कोई भी पत्थर डूबेगा नहीं। वानर सेना पत्थर उठाती और जल में फेंकती, वे तैरने लगते। यह देखकर भगवान राम के मन में विचार आया कि यदि मेरे नाम से पत्थर तैर रहे हैं, तो क्यों ना मैं स्वयं एक पत्थर जल में डालकर देखूँ। श्री राम एकांत में गए और उन्होंने एक पत्थर उठाकर समुद्र में डाला, लेकिन वह पत्थर तुरंत डूब गया। श्रीराम आश्चर्यचकित रह गए। उसी समय पास के वृक्ष पर बैठे हनुमान जी ने यह दृश्य देख लिया। वे नीचे आए और मुस्कुराते हुए विनम्रतापूर्वक बोले, हे प्रभु आप चिंतित क्यों हैं भगवान श्रीराम ने सकुचाते हुए कहा मेरे नाम से फेंके गए पत्थर पानी में तैर रहे हैं, लेकिन जब मैंने स्वयं अपने हाथ से पत्थर डाला, तो वह डूब गया। ऐसा क्यों हनुमान जी ने हाथ जोड़कर कहा, हे नाथ इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं है। आध्यात्मिक सत्य यह है कि जिसे आपका नाम पकड़ लेता है जो आपके नाम का आश्रय लेता है उसे तो यह संसार रूपी भवसागर भी तार देता है। परंतु जिसे आप स्वयं अपने हाथों से छोड़ देंगे, उसे इस ब्रह्मांड में डूबने से कौन बचा सकता है यह कथा दर्शाती है कि व्यक्ति की स्वयं की शक्ति या कर्तृत्व भाव मैं कर रहा हूँ से कार्य नहीं सिद्ध होता, बल्कि ईश्वर के नाम के प्रति पूर्ण समर्पण और श्रद्धा से असंभव भी संभव हो जाता है। माता सीता द्वारा हनुमानजी की राम भक्ति देखकर उन्हें अनेक वरदान प्रदान किए कथावाचक गणेशानंद महाराज ने बताया कि लंका के अशोक वाटिका में जब हनुमान जी ने माता सीता को मुद्रिका अंगूठी दी और उनका संदेश सुनाया, तब माता सीता का दुःख दूर हो गया। हनुमान जी की निष्काम सेवा, भक्ति और विनम्रता से प्रसन्न होकर जगतजननी माता जानकीजी ने उन्हें अष्ट सिद्धि नवनिधि के दाता का अलौकिक वरदान दिया। जब हनुमान जी ने माता सीता के दर्शन किए और राम-कथा सुनाई, तो माता सीता ने अत्यंत स्नेह से उनके मस्तक प वरदान दिए। माता सीता ने कहा, हे तात तुम अजर अमर रहोगे। जब तक संसार में राम-कथा रहेगी, तुम्हारा शरीर और यश अक्षुण्ण रहेगा। सीता जी ने हनुमान जी को केवल सिद्धियों का स्वामी ही नहीं बनाया, बल्कि यह अधिकार दिया कि वे जिसे चाहें उसे अष्ट सिद्धियाँ अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व, वशित्व और नव निधियाँ पद्म, महापद्म, शंख, मकर, कच्छप, मुकुंद, कुंद, नीलोत्पल, खर्व प्रदान कर सकते हैं। हनुमान जी ने माता सीता से कहा कि मुझे संसार के किसी वैभव या सिद्धि की लालसा नहीं है, मुझे केवल श्रीराम के चरणों का प्रेम चाहिए। तब सीता जी ने वरदान दिया तुम पर श्रीराम सदैव कृपालु रहेंगे 1 आध्यात्मिक दृष्टि से, सिद्धियाँ और निधियाँ व्यक्ति में अहंकार पैदा कर सकती हैं। परंतु हनुमान जी ने इन्हें अपने लिए नहीं, बल्कि प्रभु कार्य और भक्तों के कल्याण के लिए धारण किया। माता सीता का यह वरदान दर्शाता है कि जब कोई साधक अपना सब कुछ ईश्वर को समर्पित कर देता है, तो ईश्वर की पराशक्ति माता सीता उसे ब्रह्मांड की समस्त शक्तियाँ अष्टसिद्धि नवनिधि सौंप देती है, फिर भी साधक का अंतिम लक्ष्य केवल प्रभु-प्रेम ही रहता है।

तेजाजी दशमी पर मंदिर में हुए धार्मिक कार्यक्रम



हरिभूमि न्यूज ⏭ खाचरोद

वीर तेजाजी महाराज की दसमी के अवसर पर सोमवार को ग्राम में स्थित बाबा रामदेव के मंदिर पर सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। भक्तों ने बाबा के दर्शन कर चरण वंदना की और निशान चढाकर अपनी मनोकामनाओं के साथ आराधना की। बाबा को चुरमे और मिश्री का भोग लगाया गया। ग्राम में बैंड बाजे के साथ चल समारोह निकाला गया। जो बाबा रामदेव के मंदिर से शुरू होकर ग्राम के मुख्य मार्गो से निकाला गया।

चल समारोह के दौरान नगर वासियों ने जगह-जगह बाबा की आरती कर पुष्प माला अर्पित की। भक्तों का हार फूल माला पहनाकर वह साफा बांधकर स्वागत सम्मान किया गया। मंदिर पहुंचने पर विशेष आरती की गई जहां पर समस्त ग्राम वासियों ने उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण की इस मौके पर समस्त ग्रामवासी उपस्थित थे।